लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक शुक्ल पक्ष, सप्तमी 1.11 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2079

अमृत विचार

वर्ष 3, अंक 350, पृष्ठ 14, मूल्य: 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली, सोमवार, 31 अक्टूबर 2022

www.amritvichar.com

PAGE NO: 05 TOP

रिद्धिमा में कल से शुरू होगा इंद्रधनुष रंग महोत्सव

अमृत विचार, बरेली

- **पिछले वर्ष 8 फरवरी को स्थापित रिद्धिमा ने कम समय में ही बनाई विशिष्ट पहचान**
- **दुर्लभ वाद्ययंत्रों का संग्रह लोगों को करता है आकर्षित**

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में इंद्रधनुष रंग महोत्सव 2022 आयोजित हो रहा है। रविवार को औपचारिक बातचीत में यह जानकारी एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष नवंबर में पहला थिएटर महोत्सव हुआ था। इसी कड़ी में इस वर्ष भी छह दिन का दूसरा थिएटर महोत्सव हो रहा है। इसकी शुरूआत 1 नवंबर को मुंबई के डे ड्रीमर्स फाउंडेशन ग्रुप की ओर से प्रस्तुत और सलीम शाह निर्देशित नाटक मैन डिस्पोजेज गाड प्रपोजेज से होगा। महोत्सव का समापन 6 नवंबर को कोलकाता के यूनिवर्सल लिटिल थिएटर द्वारा प्रस्तुत और प्रताप जायसवाल निर्देशित नाटक हाय हैंडसम से होगा। महोत्सव में सभी नाटक सवा घंटे की अवधि के होंगे। इनका मंचन प्रतिदिन दो बार शाम 4 से 5.15 बजे और 5.45 से 7 बजे तक होगा। वार्ता के दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों के ट्रेनिंग, डेवलपमेंट और प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर डा. अनुज कुमार भी मौजूद रहे।

रिद्धिमा में पत्रकारों से वार्ता करते एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति।

देश की विरासत को सहेजने की पहल

बातचीत में उन्होंने बताया कि लंबे समय से अपनी संगीत विद्याओं को सहेजने के लिए मंथन चल रहा था। बीते वर्ष कोरोना काल में देश की साझा विरासत को संजोने और उसे पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से पिछले वर्ष 8 फरवरी को श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा की स्थापना की गई। उसके बाद महज डेढ़ वर्ष में ही शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय और सुगम संगीत, नाट्य कला, ललित कला एवं रंगमंच के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। स्थापना के साथ उसी माह यहां शास्त्रीय संगीत और शास्त्रीय नृत्य से संबंधित बसंतोत्सव का सफल आयोजन हुआ। यहां अब तक पांच राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिताएं हो चुकी है। थिएटर प्रेमियो के लिए यहां प्रति सप्ताह एक नाटक का मंचन होता है। इसे देखने के लिए दूसरे शहरों के भी थिएटर प्रेमी पहुंचते हैं। श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में अद्भुत इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित है। जिसमें प्रचलन से बाहर हो गए 200 से ज्यादा दुर्लभ वाद्ययंत्र संजोये गए हैं। इनमे ज्यादातर तो ऐसे है, जिन्हें बजाने वाले भी अब नहीं मिलते। गंगा- जमुनी तहजीब और भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और कला को संजोने वाला यह सेंटर कम समय में ही इस क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उम्मीद है कि यहां से कला के क्षेत्र मे शिक्षा प्राप्त कर कलाकार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी संस्थान और देश को गौरवांवित करेंगे ।